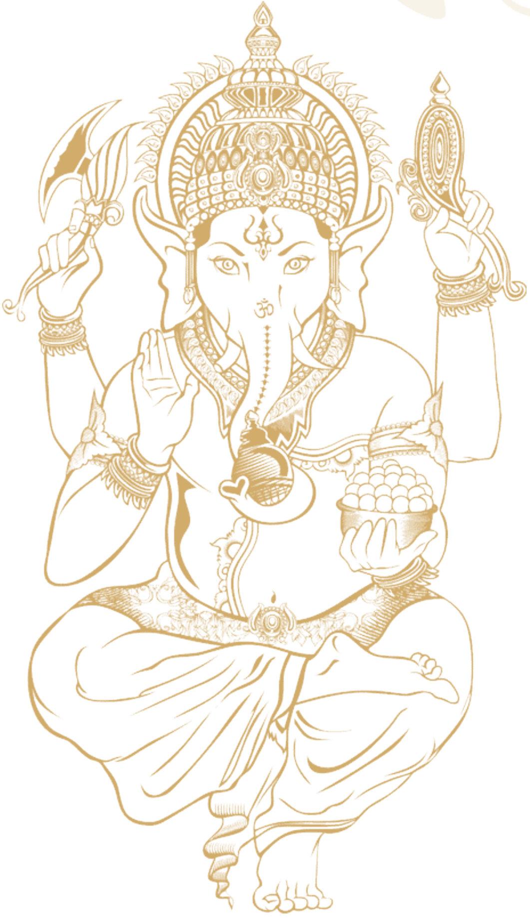

Manish

Shilpa

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121337501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121337501 Date: 20/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/08/1993	जन्म तिथि	27/08/1995
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 20:30:00	जन्म समय	18:30:00 घंटे
घटी 37:56:41	जन्म समय(घटी)	32:42:07 घटी
India	देश	India
Sitamarhi	स्थान	Muzaffarpur
26:36:00 उत्तर	अक्षांश	26:07:00 उत्तर
85:30:00 पूर्व	रेखांश	85:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:00	स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:19	सूर्योदय	05:26:04
18:25:32	सूर्यास्त	18:13:44
23:46:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56
मीन	लग्न	कुम्भ
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मिथुन	राशि	सिंह
बुध	राशि-स्वामी	सूर्य
आर्द्रा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	4
वज्र	योग	सिद्ध
कौलव	करण	बालव
ङ--	जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
श्वान	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	श्वान

Shree Siddhivinayak Astro
Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
राहु 6वर्ष 3मा 3दि	
शनि	
18/11/2015	
17/11/2034	
शनि	20/11/2018
बुध	31/07/2021
केतु	08/09/2022
शुक्र	08/11/2025
सूर्य	21/10/2026
चन्द्र	21/05/2028
मंगल	30/06/2029
राहु	06/05/2032
गुरु	17/11/2034

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
11:09:30	मीन		लग्न		कुंभ	16:35:03
28:03:08	कर्क		सूर्य		सिंह	09:59:49
15:21:48	मिथु		चंद्र		सिंह	26:12:03
07:51:02	कन्या		मंगल		कन्या	29:10:41
13:27:11	कर्क		बुध		कन्या	04:06:23
18:11:07	कन्या		गुरु		वृश्चि	12:39:29
20:53:13	मिथु		शुक्र		सिंह	11:47:27
03:35:07	कुंभ	व	शनि	व	कुंभ	28:53:40
15:42:26	वृश्चि	व	राहु	व	तुला	03:53:42
15:42:26	वृष	व	केतु	व	मेष	03:53:42
25:12:08	धनु	व	हर्ष	व	मक	03:21:14
25:08:55	धनु	व	नेप	व	धनु	29:21:37
28:59:15	तुला		प्लूटो		वृश्चि	04:07:04

विंशोत्तरी	
शुक्र 0वर्ष 8मा 11दि	
राहु	
09/05/2019	
09/05/2037	
राहु	19/01/2022
गुरु	14/06/2024
शनि	21/04/2027
बुध	07/11/2029
केतु	26/11/2030
शुक्र	26/11/2033
सूर्य	20/10/2034
चन्द्र	20/04/2036
मंगल	09/05/2037

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:46:22 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:56

लग्न-चलित

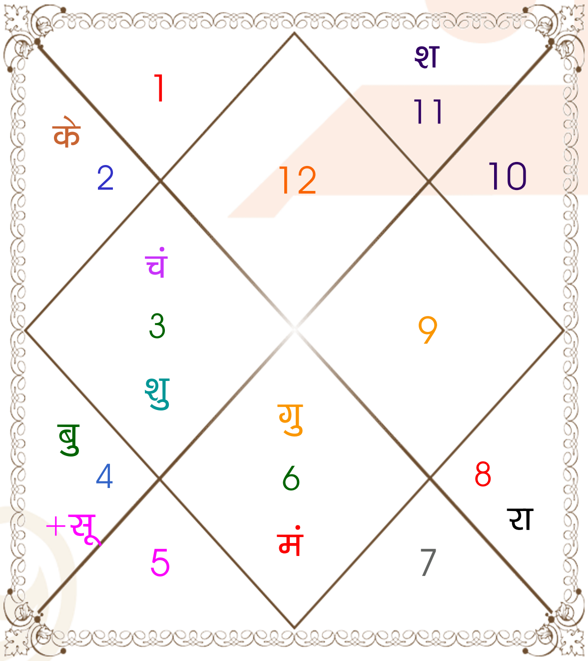

लग्न-चलित

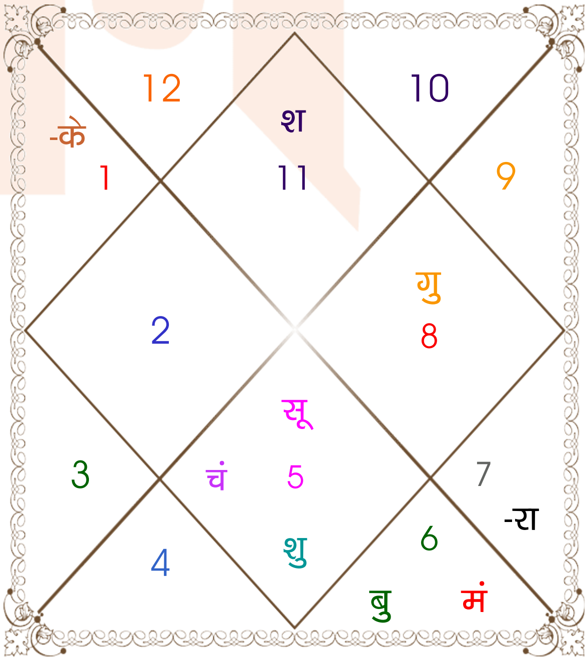

Shree Siddhivinayak Astro
Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

कुल : **27.5 / 36**

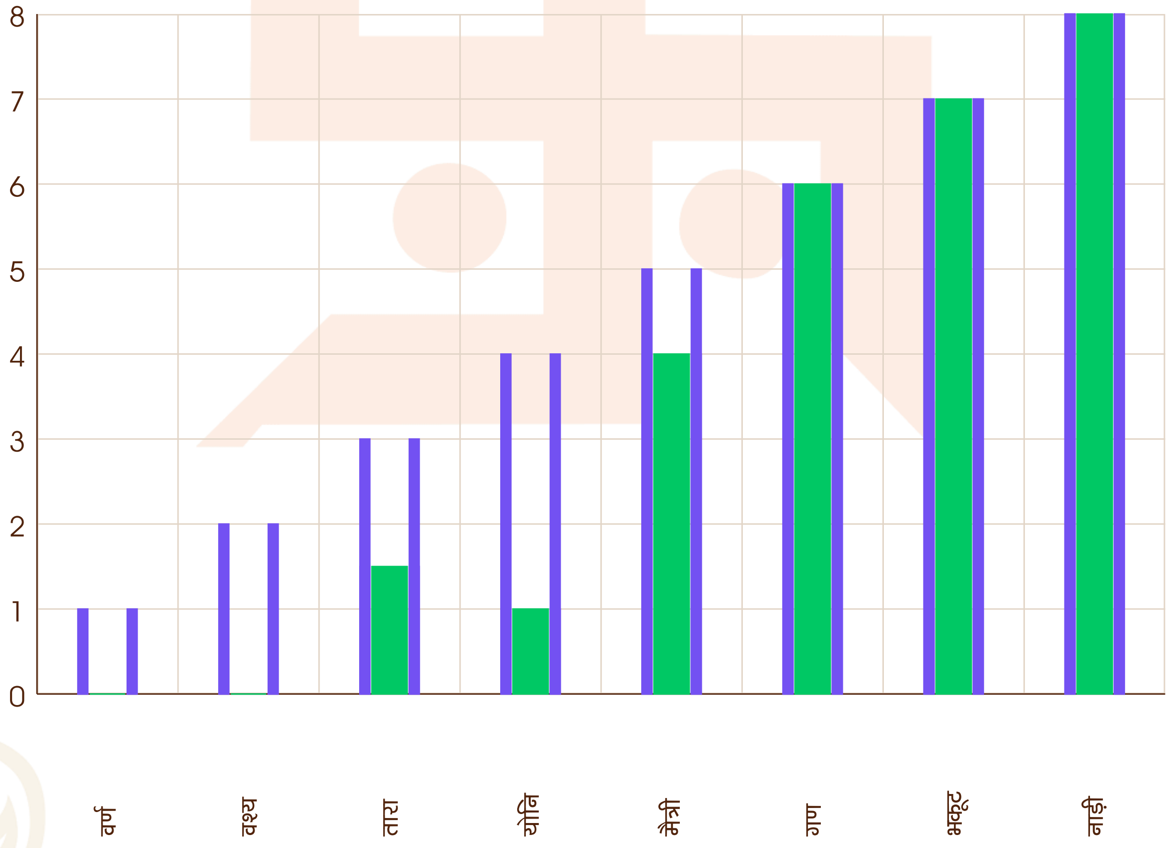

Shree Siddhivinayak Astro
Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Manish का वर्ग मार्जार है तथा ँपसचं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Manish और ँपसचं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Manish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Manish कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ँपसचं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Manish तथा ँपसचं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Manish का वर्ण शूद्र है तथा ॅिपसचं का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें ॅिपसचं का वर्ण Manish के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण ॅिपसचं अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। ॅिपसचं का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Manish को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Manish का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ॅिपसचं का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है अतः यह मिलान बहुत अशुभ मिलान है। शेर हमेशा मनुष्य के लिए संकट उपस्थित करता है। ये मनुष्य को हानि पहुंचाता है तथा घायल करते हैं व कभी-कभी मारकर खा भी जाते हैं। अतः यह मिलान उचित नहीं है क्योंकि Manish हमेशा ॅिपसचं से भय महसूस करेगा। ॅिपसचं हमेशा Manish पर हावी रहेगी, पति के ऊपर वर्चस्व स्थापित करेगी तथा अपने पति को अपनी हर आज्ञा के लिए बाध्य करेगी जो स्वीकार करने योग्य नहीं है क्योंकि इससे विकास एवं समृद्धि प्रभावित होगी। ॅिपसचं हमेशा कोई न कोई समस्या उत्पन्न करती रहेगी जिससे घर एवं परिवार की शांति भंग होगी।

तारा

Manish की तारा प्रत्यरि तथा ॅिपसचं की तारा साधक है। Manish की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Manish कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप ॅिपसचं को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Manish की योनि श्वान है तथा ॅिपसचं की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति

मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Manish का राशि स्वामी ॅिपसचं के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि ॅिपसचं का राशि स्वामी Manish के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Manish का गण मनुष्य तथा ॅिपसचं का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Manish से ॅिपसचं की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा ॅिपसचं से Manish की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Manish अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर ॅिपसचं सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Manish की नाड़ी आद्य है तथा ॅिपसचं की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के

लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Manish की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा ैपसचं की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं अग्नि तत्व में समता तथा मित्रता रहती है। अतः Manish और ैपसचं में स्वभावगत समानता रहेगी तथा परस्पर संबधों में भी मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Manish की राशि का स्वामी बुध तथा ैपसचं की राशि का स्वामी सुर्य परस्पर सम तथा मित्र है अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से इनकी मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता रहेगी फलतः में एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा एवं कमियों की उपेक्षा का भाव रखेंगे। इससे इनके परस्पर संबधों में मधुरता बढ़ेगी तथा सुख एवं शांति पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे।

Manish तथा ैपसचं की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Manish और ैपसचं अर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं सम्पन्न रहेंगे तथा विभिन्न प्रकार से धनार्जन की प्रवृति इनमें विद्यमान रहेगी। उनके जीवन के मूल्यों में भी समानता का भाव रहेगा जिससे मानसिक स्थिति शांत एवं सन्तुष्ट रहेगी फलस्वरूप वैवाहिक सुख एवं अन्यत्र आनंद प्राप्त करने में Manish और ैपसचं को सफलता प्राप्त होगी।

Manish का वश्य मानव तथा ैपसचं का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं वश्य में शत्रुता तथा विषमता का भाव विद्यमान रहता है। अतः Manish और ैपसचं की अभिरूचियों में अंतर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर में भी विषमता रहेगी एवं दाम्पत्य सुख में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ से रहेंगे।

Manish का वर्ण शूद्र तथा ैपसचं का वर्ण क्षत्रिय है। Manish की प्रवृति किसी भी प्रकार के कार्यो को गम्भीरता तथा ईमानदारी से करने की होगी। जबकि ैपसचं केवल पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करना अधिक पसंद करेंगी।

धन

Manish और ैपसचं की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Manish और ैपसचं की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

ैपसचं एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना

जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Manish की नाड़ी आद्य तथा ीपसचं की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Manish हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा ीपसचं को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Manish के पुरुषत्व में न्यूनता आएगी तथा ीपसचं भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Manish और ीपसचं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Manish और ीपसचं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Manish और ीपसचं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ीपसचं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ीपसचं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ीपसचं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Manish और ीपसचं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Manish और ीपसचं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ीपसचं के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही ीपसचं सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में ीपसचं को काफी परेशानी तथा

असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि ॉिपसचं धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों सें ॉिपसचं के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से हीं ॉिपसचं ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Manish तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Manish के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Manish को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Manish के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Manish के प्रति अनुकूल ही रहेगा।